20 जून, 2023

प्रेस नोट

सीबीएसई अध्यक्षा की किशोर शिखर सम्मेलन पुणे में प्रतिभागियों के साथ वार्ता

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के तत्वावधान में सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स, पुणे ने 19 और 20 जून, 2023 को शहर में दो दिवसीय राज्य स्तरीय किशोर सम्मेलन का आयोजन किया, जो आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण लाइफ स्किल्स, मेंटल हेल्थ, सेफ्टी एंड वेल बीइंग और लैंगिक समानता था ।

इस किशोर शिखर सम्मेलन की योजना पुणे में शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित चौथी और अंतिम G-20 एजुकेशन वर्किंग ग्रुप (EdWG) की बैठक के दौरान बनाई गई थी।

सीबीएसई ने जी-20 में भारत की पहली बार अध्यक्षता को उजागर करने के लिए एवं वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति और गतिकी को समझने में स्कूली छात्रों को सक्षम बनाने के लिए छात्र संवर्धन गतिविधियों की योजना बनाई है। देश भर में सक्रिय 200 सहोदय स्कूल समूहों को उन शहरों में स्कूली शिक्षा, पाठ्यक्रम डिजाइन और मूल्यांकन के विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन करने के लिए संगठित किया गया है जहां जी-20 बैठकें निर्धारित की गई हैं। छठी से बारहवीं कक्षा के छात्र भी इंटर-स्कूल प्रतिस्पर्धाओं, सहयोगी स्कूल गतिविधियों और प्रदर्शनियों में भागदारी कर रहे हैं ।

श्रीमती। निधि छिब्बर, आईएएस, अध्यक्ष सीबीएसई ने राज्य के 500 से अधिक शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने एनईपी-2020 के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में शिक्षण अभ्यास और शिक्षाशास्त्र, क्षमता निर्माण और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भी चर्चा की, जैसे कि स्ट्रक्चर्ड असेसमेंट फॉर अनाल्यिज़ंग लर्निंग (एस ए ऍफ़ ए एल), होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड, स्कूल क्वालिटी असेसमेंट एंड एशोरैंस फ्रेमवर्क (एस क्यू ए ए ऍफ़)।

किशोरों द्वारा शिखर सम्मेलन के विषयों जीवन कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और लैंगिक समानता पर नुक्कड़ नाटकों, क्विज़, संगीत प्रदर्शन और युवा संसद का आयोजन किया गया।

किशोर शिखर सम्मेलन के उद्देश्य को रेखांकित करते हुए श्रीमती छिब्बर ने कहा, "छात्रों को आलोचनात्मक रूप से सोचने, नवाचार करने और चेंज मेकर बनने के लिए सक्षम बनाना महत्वपूर्ण है।" उन्होंने आगे कहा, "इस तरह की गतिविधियां छात्रों को एक भविष्यवादी, समृद्ध, समावेशी और विकसित समाज की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं, जिसका दृष्टिकोण मानव केंद्रित हो ।"

पद्म श्री डॉ. मोहन आगाशे, प्रसिद्ध रंगमंच और फिल्म व्यक्तित्व और एक प्रसिद्ध मनोचिकित्सक मुख्य वक्ता थे। डॉ. अगाशे ने बताया कि रुचि और बुद्धिमत्ता कैसे सीखना आसान बनाते है। उन्होंने ध्वनि और छवियों और पांच इंद्रियों के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

सीबीएसई के निदेशक डॉ. जोसेफ इमैनुएल, डॉ. प्रज्ञा एम. सिंह, निदेशक (मूल्यांकन), डॉ. जितेंद्र नागपाल, एक्सप्रेशन इंडिया के कार्यक्रम निदेशक, सुश्री दीक्षा कल्याणी, स्कूलों के कल्याणी समूह के निदेशक, सुश्री सविता ट्रैविस, पुणे सहोदय परिसर के अध्यक्ष, सुश्री निर्मल वड्डन, कल्याणी स्कूल की प्रिंसिपल एवं श्री राम वीर, क्षेत्रीय अधिकारी, सीबीएसई पुणे की उपस्थिति में कई प्रतिभागी स्कूलों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया।

मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रसिद्ध विशेषज्ञों, मनोचिकित्सकों, शिक्षकों और छात्रों ने पैनल चर्चा और सत्रों में भाग लिया।

अध्यक्षा सीबीएसई के नेतृत्व में, शिखर सम्मेलन ने जनभागीदारी की भावना के अंतर्गत सीबीएसई, प्रधानाचार्यों, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और युवा छात्रों के बीच सहयोग और जुड़ाव का उदाहरण दिया।

रमा शर्मा
निदेशक (मीडिया और पीआर), सीबीएसई